Publication	Mahamedha
Date	23rd September, 2015
Page No.	03
Edition	New Delhi

जमीनी स्तर की प्रतिभाओं को सम्मानित करेगा जेएसपीएल

संवाददाता नई दिल्ली। माउंटेन मैन के नाम से मशहूर दशरथ मांझी बिहार के गया जिले के गांव में रहने वाले मजदूर थे जिन्होंने केवल छेनी-हथौड़ा लेकर 22 सालों की कड़ी कोशिशों के बाद एक पहाड़ काट कर रास्ता बना दिया। हालांकि देश में और भी दशरथ मांझी हैं जिन्होंने अपने गांवों-शहरों में अपनी एक पहचान कायम की है और उनकी कहानियों से दुनिया अनजान है।

जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटड के कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्वों को निभाने वाली गतिविधियों को आगे बढ़ाने वाली जेएसपीएल फाउंडेशन ऐसे ही लोगों की कहानियों को प्रकाश में लाना चाहती है। ऐसे अदम्य साहसी लोगों को सम्मानित करने के लिए जेएसपीएल फाउंडेशन ने एक अभूतपूर्व पुरस्कार राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान की इस वर्ष स्थापना की है।

राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान जमीनी स्तर के उन लोगों को सम्मानित करेगा जिन्होंने अपने अनुकरणीय साहस, प्रतिबद्धता और आत्म विश्वास के बल पर जीवन की विपरीत परिस्थितियों को पार किया और अपनी खुद की विशिष्ट पहचान बनाई तथा इस प्रकार वे बहुत से लोगों की प्रेरणा बने। ये लोग 'परिवर्तन के दूत' बन कर देश के विभिन्न हिस्सों में जा कर वंचितों के उत्थान के लिए काम करेंगे तथा अपने अनुभवों व कठिनाईयों के उदाहरणों से उन्हें अपने सपने सच करने के लिए प्रेरित करेंगे।

जेएसपीएल फाउंडेशन की अध्यक्ष शालू जिंदल ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान के आयोजन का उददेश्य है जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं की पहचान करना व उन्हें बढ़ावा देना। हमारा प्रयास है उन कहानियों को सामने लेकर आना जो अभी तक अनसुनी रही हैं।

साहस और संकल्प की ये कहानियां समाज में परिवर्तन ले कर आएंगी। राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान ऐसे ही लोगों को सलाम करने और उन्हें एक राष्ट्रीय मंच मुहैया कराने की कोशिश है ताकि बाकी लोग भी उनसे प्रेरणा ले सकें।